RRB ALP & TECHNICIAN 2024
&
झारखण्ड पुलिस भर्ती
Pilot Batch (CBT- 1&2)
सेवक बैच
ROJGAR with ANKIT
HISTORY
तुगलक वंश
LIVE 03-04-2024 09:00 AM

ROJGAR WITH ANKIT

रोजगार जागरूकता Meet-up

ANKIT BHATI SIR WITH RWA TEAM

राजस्थान

12 M

का Celebration होगा आपके बीच

7th April 2024 11:00 AM

MANNAT MARRIAGE GARDEN

RIDHI SIDHI CIRCLE

GOPALPURA BYPASS, JAIPUR RAJASTHAN

JOIN US ON

DOWNLOAD THE RWA APP NOW

Google Play

तुगलक वंश :- 1320-1414 AD :- 94 वर्ष

⇒ तुगलक वंश की स्थापना गियासुद्दीन तुगलक ने की थी, दिल्ली सल्तनत काल में तुगलक वंश के शासको ने सबसे अधिक समय तक शासन किया था, दिल्ली पर शासन करने वाले तुर्क राजवंशो में अन्तिम तुगलक वंश था। नासिरुद्दीन महमूद तुगलक अन्तिम तुर्क शासक था।

⇒ गियासुद्दीन तुगलक :- (1320-1325) ⇒ तुगलक वंश का संस्थापक

⇒ वास्तविक नाम :- गाजी मलिक

→ शाब्दिक अर्थ :- काफिरो का वध करने वाला

⇒ गियासुद्दीन तुगलक ने 21 बार मंगोलो के आक्रमण को विफल किया था।

→ प्रसिद्ध :- मलिक-उल-गाजी

⇒ डाक व्यवस्था को पूर्णतः व्यवस्थित करने का श्रेय गियासुद्दीन तुगलक को जाता है।

⇒ ओडिशा में स्थित जाजनगर पर आक्रमण :- (1324) → शासक :- भानुदेव द्वितीय

⇒ नहरों का निर्माण करने वाला दिल्ली सल्तनत का प्रथम सुल्तान गियासुद्दीन तुगलक था

⇒ दिल्ली के समीप तुगलकाबाद नामक शहर बसाया।

⇒ (हनूज देहली दूरस्थ) अभी दिल्ली दूर है कथन किसने कहा :- शेख निजामुद्दीन औलिया

⇒ 1325 ई० में तिरहुत विजय के पश्चात दिल्ली लौटते समय तुगलकाबाद (अफगानपुर) में सुल्तान की मृत्यु हो जाती है।

मोहम्मद बिन तुगलक :- (1325-1351 AD)

⇒ वास्तविक नाम :- जौंना खाँ

⇒ दिल्ली सल्तनत का सर्वाधिक विद्वान सुल्तान मोहम्मद बिन तुगलक था।

मोहम्मद बिन तुगलक के प्रसिद्ध कार्य :

① राजधानी परिवर्तन :- 1326-1327

⇒ राजधानी दिल्ली से दौलताबाद (देवगिरी) स्थानान्तरित की थी, बाद में दौलताबाद से दिल्ली लेकर आया।

② दोआब कर वृद्धि :- (1327-28)

③ सांकेतिक मुद्रा का प्रचलन :- 1330 AD

→ पीतल + तांबा

④ खुराशान का अभियान :- 1336-1337

⑤ कराचिल अभियान :- 1337 - 38

⇒ मोहम्मद बिन तुगलक को अपनी सनक भरी योजनाओं और कृत्यो के कारण रक्तपिपासु स्वप्नशील, पागल सुल्तान के नाम से जाना गया।

⇒ अमीर-ए-कोही (कृषि विभाग) का गठन किया।

⇒ अफ्रीकी यात्री इब्नबतूता, मोहम्मद बिन तुगलक के शासनकाल में भारत आया था

→ 1333

→ देश :- मोरक्को

→ पुस्तक :- रेहला (सफरनामा)

→ 1342 ई० में दूत के रूप में चीन भेजा था।